केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - १

रविवार, ६ मार्च, २०१६ | समय : सुबह ९.०० से ११.१५ | कुल गुण : ७५

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण (३३)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण (३२)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
विभाग-३, कुल गुण		
	१३ (१०)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

प्रवेश-१

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''भाई, तुम कौन हो और तुम्हारी इस झोली में क्या रखा है ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''कल आप पूजा में बैठेंगे तब आपके साथ मैं भी बैठूँगा।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''हमारी बाड़ी में बहुत खीरे हुए हैं।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. नौ लाख योगी हर्ष से पुलकित हो उठे ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. बदरीनाथ के पुजारी ने बड़ी श्रद्धा से नीलकंठ वर्णी की सेवा की।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ६		नाम	प्र - ३ गुण - ५		नाम

३. आडम्बरी बाबा वहीं मृत्यु को प्राप्त हो गए।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. वन विचरण का संकेत २. शिव-पार्वती ने दर्शन किया ३. राजा रणजीतसिंह को उपदेश

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ५		नाम	प्र - ५ गुण - ४		नाम	प्र - ६ गुण - ४		नाम

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. गड़रिया ने गोराड गाँव के लोगों को क्या कहा ? गुण : १

.....

.....

२. भगवानदास की माँ क्या मानती थी ? गुण : १

.....

.....

३. त्रिवेन्द्रम् में किस के साथ किस की मूर्ति है ? गुण : १

.....

.....

४. नीलकंठ वर्णी ने रामानंद स्वामी को कब प्रार्थना-पत्र लिखा ? (संवत्, माह, तिथि) गुण : १

.....

.....

५. हाटकेश्वर महादेव के मंदिर में नागर मुमुक्षु ने नीलकंठ वर्णी को कितने प्रश्न पूछे ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. श्रीपुर शहर की विशेषता गुण : २

(१) [ ] अलकनंदा नदी धनुष्य आकार में बहती है । (२) [ ] नारदजी ने बसाया था ।

(३) [ ] महादेवजी का प्रिय स्थान है । (४) [ ] विदुरजी ने श्रीकृष्ण के वियोग में तप किया था ।

२. नीलकंठ वर्णी की तपश्चर्या गुण : २

(१) [ ] नरनारायण देव अंतरिक्ष में रक्षा करते थे । (२) [ ] साक्षात् ब्रह्मा ही तप करने पधारे हैं ।

(३) [ ] हे देव! हमें ज्ञान और तप के गुण दीजिए । (४) [ ] यहाँ ब्रह्मा के पुत्र पुलह ने तप किया था ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. लक्ष्मणझूला में ..... तट पर ..... का मंदिर है । गुण : १

२. नीलकंठ वर्णी को भागवत और संस्कृत का विद्वान .....का मिलन ..... की ओर कदम बढाते हुआ । गुण : १

३. बुटोलनगर में नीलकंठ वर्णी ..... माह तक ..... राजा के वहाँ रुके । गुण : १

४. पिबैक ..... का उपासक था, वो ..... की साधना करता था । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम	प्र - ८ गुण - ४		नाम

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''उनकी दी हुई मनौती अवश्य सफल होगी।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''ऐसी विषम स्थिति में भी यह सेवा !!! दूसरा कोई शायद ऐसा नहीं कर सकता।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''ऐसा व्यक्ति भला मुझे कैसे प्यारा हो सकता है ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. 'धन्य आजनी घड़ी .....' कीर्तन लाडुदानजी के कण्ठ के बाहर सरकने लगा ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. महाराज एभल खाचर को पता न लगे इस तरह दरबार में रहने लगे ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ५		नाम

प्र. ९ 'जगन्नाथ में से शुकानंद' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ४		नाम	प्र - ११ गुण - ६		नाम

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. शुकमुनि को कितने साल तक बुखार ज़ारी रहा ? गुण : १

.....

.....

२. संजीवनी औषध महाराज ने ग्रहण न किया तो ब्रह्मानंद स्वामी क्या समझ गये ? गुण : १

.....

.....

३. भक्ति के बारे में महाराज क्या कहते ? गुण : १

.....

.....

४. आफ्रीका में किस दो हरिभक्तों के द्वारा सत्संग का प्रारंभ हुआ ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : देवानंद स्वामी मूळी मंदिर में

१. देवानंद स्वामी के आशीर्वाद से उमाशंकर कवीश्वर बने । **२.** उपदेशप्रधान पद्यों में ज्ञान का भाव कूट-कूट कर भरा मिलता है । **३.** दूसरे दिन मेराई भक्त ने अपने घर की देहली के पास कुमकुम के चरणचिह्न देखे । **४.** देवानंद स्वामी के कीर्तन सुनकर नानालाल उनके शिष्य बने थे । **५.** मूळी मंदिर के अधूरे कार्य पूरे किए । **६.** उनके कीर्तन-पद सम्प्रदाय में 'देवानंद स्वामी के दृष्टांतों' से प्रसिद्ध है । **७.** मेरे लिए पालकी तैयार रखना । **८.** मेराई भक्त को अपने धाम में जाने की बात कही । **९.** वे प्रेमानन्द स्वामी के पास रहकर पिंगलशास्त्र एवं गानविद्या सीखने लगे । **१०.** ब्रह्मानंद स्वामी के अक्षरवास के बाद मूळी मन्दिर के महन्त के पद पर नियुक्त हुए । **११.** देवानंद स्वामी का जन्म संवत् १८६० की कार्तिकी पूर्णिमा के दिन हुआ था । **१२.** मन्दिर की शान-शौकत बढ़ा दी ।

(१) केवल सही क्रमांक [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] गुण : ३

(२) यथार्थ घटनाक्रम [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] गुण : ३

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **स्वामी निर्गुणदासजी :** उस समय यज्ञपुरुषदासजी वडोदरा में विद्याभ्यास कर रहे थे, स्वामी केशव भक्त उन दिनों वरताल में थे । यज्ञपुरुषदासजी की इच्छा से - प्रेरणा से जेठा भगत सूरत के मन्दिर का महन्तपद छोड़कर वरताल गये ।

.....

.....

..... गुण : १

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम

२. **भक्तराज जीवुबा :** जीवुबा के मन में बचपन से ही संतों के प्रति आदरभाव देखते हुए भी जीवा खाचर ने सारंगपुर के अमरा पटगर के लड़के बावा पटगर के साथ उसकी शादी कर दी।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **भक्तराज जोबनपगी :** भक्ताधीन भगवान् - महाराज संतों की इच्छाएँ पूरी करने के लिए डभाण पधारे । प्रदेश - प्रदेश से संतों को निमंत्रण देकर बुलवाया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **सद्‌गुरु शुकानन्द स्वामी :** स्वामी का निवासस्थान जो श्रीजीकक्ष था, बिलकुल उसके सामने ही मुक्तमुनि का कमरा था। वहीं रहकर वे रोज़ लेखन एवं साहित्य सम्पादन का काम किया करते थे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. सत्संग में अचल नींव : गुण ग्रहण ।
२. प्रमुखस्वामी में विश्व शांति के दर्शन ।
३. योगीजी महाराज का रास्ता : हकारात्मक सोच ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - १०		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें